

पूरी रे पुनम री रे रात देवल भजन लिरिक्स



पूरी रे पुनम री रे रात देवल,
पूरी रे पुनम री रे रात,
पाबुजी आया देवल रे पावणा रे हा।bd।

ढालीया हींगलोया रे ठाठ देवल,
रेशम री रे जायो माते डालदी रे हा,
बिछादी फुलडो री रे सेज देवल,
केसर अंतर रा किना छोटना रे हा।bd।

अमे करलो मनडा री रे बात पाबु,
किन रे कामा सु आया पावणा रे हा,
कई केवु मनडा री रे बात देवल,
किन ने केवुतो कुन साम्बले रे हा।bd।

अरे घोड़ा नही है पायगो रे माय,
घोडा बिना है सुनो रावलो रे हा,
अरे कोनी चाले घोड़ा बिना काम देवल,
घोडी तो दिरावो केसर कालवी रे हा।bd।

अरे घोड़ा मारे होता रे चार पाबू,
एक तो लेगीयो रूनीचे रामदेव रे हा,
अरे लारे घोड़ा बचीया रे तीन पाबू,
दुजो तो लेगीयो रे रावल मालदे रे हा।bd।

अरे लारे घोड़ा बचीया रे दो पाबू,
तीजो तो लेगीयो रे भोज बागडे रे हा,
अरे लारे घोड़ो रेगो रे एक पाबू,
नेनकी रलीया रो गुबो रान्डीयो रे हा।bd।



घोडी तो दिरावो केसर कालवी रे हा,
अरे क्षत्रिय वंश रे वेले रे आव भवानी,
पाबू रे आईजो रे पगा रे पागडे रे हा।bd।

सिवरू सुन्धा री रे राय भवानी,
भारत में सिवरू भवानी कालीका रे हा,
अरे पुरी रे पुनम री रे रात देवल,
पुरी ने पुनम री रे रात पाबूजी,
आया देवल रे पावणा रे हा।bd।

पूरी रे पुनम री रे रात देवल,
पुरी रे पुनम री रे रात,
पाबुजी आया देवल रे पावणा रे हा।bd।

स्वर – प्रकाश माली जी।
प्रेषक – मनीष सीरवी
9640557818
